



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 1989/कार्तिक 12, 1911

N 207]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 179 आई.टी.सी. (पी. एन.)/88-91

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1989

विषय:—अप्रैल 1988—मार्च, 1991 के लिए आयात-निर्यात नीति।

फा. सं. आई.पी.सी. /4/पी.-134/15/85-86:—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं.-1 आई. टी. सी. (पी. एन.)/88-91, दिनांक 30 मार्च, 1988 के अधोल प्रकाशित अप्रैल, 1988—मार्च, 1991 के लिए आयात निर्यात नीति की ओर ध्यान दिया जाता है।

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएंगे:—

क्रम सं.	आयात-निर्यात नीति	सन्दर्भ	संशोधन
	1988-91 (खण्ड 1) की पृष्ठ सं.		
1	2	3	4
1.	165 (162)	परिशिष्ट 6 खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मर्चों का आयात मव सं. 35	मव सं. 35 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:— क्रम सं० मव पात्र आयातकों की श्रेणियाँ “35(क) शैक्षिक वैज्ञानिक और (1) विश्व-विद्यालय जिनमें माने तकनीकी पुस्तकें (कृपया हल गए विश्व-विद्यालय और मान्यता प्राप्त परिशिष्ट की सूची-7 में विषयों शैक्षिक तथा अनुसंधान संस्थान शामिल हैं की विस्तृत सूची देखें) (2) सार्वजनिक राष्ट्रीय और राज्य लायब्रेरियाँ

- (3) उच्च शिक्षा संस्थान।
- (4) मान्यता प्राप्त प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता जिनकी न्यूनतम वार्षिक बिक्री 5 लाख रु. की हो।
- (5) औद्योगिक प्रतिष्ठानों के अनु-संधान एवं विकास यूनिट
- (6) अपने व्यावसायिक प्रयोग के लिए वैज्ञानिक डाक्टर, इंजीनियर, विश्वविद्यालय, प्रोफेसर, वकील, सनबी लेखापाल आदि जैसे व्यवसायी वगैरह कि उनका एक वित्तीय वर्ष में आयात लागत सीमा बाड़ा मूल्य न 10,000-रु. से अधिक का न हो।

(ख) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तक- सभी व्यक्तियों द्वारा”
मीकी पत्रिकाएँ, न्यूज मैजीन्स
तथा प्रखबार

2

171

परिशिष्ट 8

(170)

न्यून सामान्य पाइसेंस के अन्तर्गत
आयातों को शामिल करने वाली शर्तें
शर्त सं. 36

वर्तमान उप पैरा (6) के बाव निम्नलिखित उप पैरा को जोड़ा जाएगा :—
“(7) (क) प्रकाशक तथा पुस्तक विक्रेता माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के समक्ष बुकान तथा प्रतिष्ठान अधिनियम के अन्तर्गत अपने पंजीकरण की मूल या फोटो कापी (जो इस समय वैध है) या प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं के किसी व्यावसायिक संघ की सदस्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। नकली/लागत लेखाकार या कम्पनी सचिव, जोकि फर्म का साक्षेपार नहीं है निदेशक या फर्म के किसी कर्मचारी व इसके किसी सहयोगी द्वारा पुस्तकों की वार्षिक बिक्री की भाय को वगैरह हुए किया गया प्रमाणपत्र को प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

(ख) शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों उच्च शिक्षा के संस्थानों तथा पब्लिक लायब्रेरी को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष, केन्द्र या राज्य सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा, जैसा भी मामला हो उन्हें, मान्यता दिए जाने संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और उन्हें इस आशय की एक घोषणा करनी होगी कि आयातित पुस्तकें उनके स्वयं के इस्तेमाल के लिए हैं। निजी रूप से वित्तपोषित अनुसंधान संस्थानों को जिन्हें केन्द्रीय, या राज्य सरकार से औपचारिक रूप से मान्यताप्राप्त नहीं है इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उन्हें उनके द्वारा किए जा रहे अध्ययन अनुसंधान परियोजनाओं के लिए उन्हें सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ है।

(ज) व्यावसायिकों को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सगत व्यावसायिक निकाय संघ की अपनी सदस्यता के संबंध में माध्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें वर्ष के दौरान किए गए आयातों का विवरण और इस आशय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान उनका कुल आयात 10,000 रु. के मूल्य से अधिक का नहीं हुआ है।

(8) पुस्तकों का आयात केवल प्रकाशकों से या भारत के लिए उनके प्राधिकृत वितरकों से ही किया जाएगा और इसे बीजक पर प्रमाणित किया जाएगा।”

3 इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित पात्र श्रेणियों में उ्तर आयातकों द्वारा शैक्षिक वैज्ञानिक, और तकनीकी पुस्तकों के आयात की अनुमति तभी दी जाएगी जबकि इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से पूर्व अपरिवर्तनीय साक्ष्य खोल लिए हों और स्थापित कर लिए हों तथा इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से 90(नब्बे) दिनों के भीतर पोटलवान कर लिए गये हों।

4 आयात निर्यात नीति में उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गये हैं।

5 कालम 2 में कोष्ठकों में दी गई संख्या 31 मार्च, 1989 तक यथावशोदित आयात निर्यात नीति की वृष्ट संख्या को दर्शाती है।

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात नीति

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 179 - ITC (PN)/88-91

New Delhi, the 3rd November, 1989

Subject : Import and Export Policy for April 1988—March 1991.

F.No. IPC/4/P-134/15/85-88.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1988—March 1991, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No. of Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3
1.	165 (162)	Appendix 6 Import of Items under Open General Licence Item No. 35
		Item No. 35 shall be substituted by the following:
		Sl. No. Items Categories of eligible importers
		"35(a) Educational Scientific and Technical books (please see illustrative list of subjects in List 7 of this Appendix)
		(i) Universities including deemed Universities and recognised educational and research institutions.
		(ii) Public, National and State Libraries.
		(iii) Institutions of higher learning.
		(iv) Recognised publishers and booksellers having a minimum annual sales turnover of Rs. 5 lakht.
		(v) Research & Development Units of Industrial Establishments.
		(vi) Professionals like Scientists, doctors, engineers, University Professors, advocates, Chartered Accountants etc., for their own professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000/- in a financial year.
		By all persons."
		(b) Educational, Scientific and Technical journals; news magazines and newspapers.

1	2	3	4
2.	171 (170)	Appendix 6 Conditions governing Imports under Open General Licence Condition No. 36.	<p>After the existing sub-paragraph (vi), the following sub-paragraphs shall be added:—</p> <p>“(vii) (a) Publishers and booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original or a photocopy thereof (currently valid) of their registration under the Shops and Establishments Act, or evidence of membership of one of the professional associations of publishers/booksellers. A certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.</p> <p>(b) Educational and research institutions, institutes of higher learning and public libraries shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies/research projects undertaken by them.</p> <p>(c) Professionals shall produce to the Customs authorities at the time of clearance evidence of their membership of the relevant professional body/association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.</p> <p>(viii) Books should be imported only from publishers or their accredited distributors for India and this should be certified on the invoice.”</p>

3. Import of educational, scientific and technical books by importers other than the eligible categories mentioned in this Public Notice shall not be permitted except to the extent of irrevocable letters of credit opened and established before the date of this Public Notice and for which shipments are made within a period of 90 (Ninety) days from the date of this Public Notice.

4. The above amendments in the Import and Export Policy have been made in public interest.

5. The number in brackets in Column 2 indicates the page number of the Import and Export Policy as amended upto 31st March, 1989.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports